LAQSH
Bridging The Talent Gap For A Decade

हुनर है तो रोजगार है

LAQSH Job Skills Academy—Madhya Pradesh January 2020

Vocational skills –Bridging the gap between education and employment

Vocational skills lays emphasis on **knowledge, skills and attitudes** that help students handle **practical challenges** and work situations. Everyone speaks today about 21st century skills required to be successful in the fast changing work place. What are these 21st century skills? These include **communication skills, digital skills to use smart phones and conduct ecommerce transactions as well as financial literacy and entrepreneurship to handle the gig jobs in the new economy.**

A teacher training program was conducted by LAQSH Job Skills Academy for all Madhya Pradesh Vocational Trainers in ITeS trade and Electrical trade in the 1st week of October 2019. During the interactions many of the VTs shared their achievements as well as that of their students. Many students had started earning money whilst still in school. Others were soon becoming role models in their villages and school. The emphasis on learning a skill gives students a tremendous boost to their confidence to face the real world challenges and earn their livelihood.

This is the second newsletter which chronicles or collective work. For us, these stories reflect not just the fascinating work being done by our students and teachers, but also an understanding of how the skills the students are learning, are bridging the gap between education and employability, and preparing them, for success in life ahead. Wishing you all the very best for 2020!

Ms Shiva Shrivastava VT from **Govt. Excellence HSS Jabera ,Damoh** shares the **entrepreneurship project they took up at school.**

This Diwali students studying electrical subject had a project that made the learnings practical and real. We called this the Diwali Diya Sell Employability Project. Students did the work across 5 groups. Group 1: Voltage, Group 2: Power, Group 3: LED, and Group 4: MSB, Group 5: Current.

Their work started with making the mud diya, decorating it with colours, adding LED lamps to them, labelling them in sets along with Diwali cards. These were sold for Rs. 50 each.

Apart from being a practical immersion of what they learnt, students also had fun, working in groups, with their teams, and also learning the **basics of entrepreneurship from manufacturing, to packaging, pricing and selling.**

While the total cost involved in this was Rs. 250/-, the earnings was Rs. 600/-, leading to profits of Rs. 350/-. As they grow into their careers, be it in jobs or in their own businesses, taking up such initiatives and executing ideas, end-to-end, will be an important lesson in entrepreneurship.

हुनर है तो रोजगार है

LAQSH
Bridging The Talent Gap For A Decade

LAQSH Job Skills Academy—Madhya Pradesh January 2020

ये कहानी है शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पांढुर्ना में पढ़ने वाले व्यावसायिक छात्र **विजय घोरमाडे** की जिन्होंने कक्षा नवमी से इलेक्ट्रिकल विषय लेकर अपनी पढ़ाई प्रारम्भ की, अपने रूचि अनुसार वे **अब घरेलू उपकरणों को ठीक करने** के अलावा टेक्नीकल सिस्टम अनुसार काम करना जानते है| ऑन जॉब ट्रेनिंग में विजय ने ये जाना कि कैसे स्वयं को सुरक्षित रखकर कार्य करना चाहिए |वे उनके गाँव मे परिचित लोगों के यहाँ **खराब वायरिंग को मुफ्त में ठीक किया करते हैं |** इससे उनके सभी के साथ अच्छे व्यवहार बन गए हैं| अब सभी लोग घर के खराब उपकरण उन्ही से ठीक करवाते हैं,इसके बदले में लोगों द्वारा उन्हें कुछ रुपये प्राप्त होते हैं | इससे उनके आर्थिक एवं दैनिक खर्चे में सहायता होती है| विजय का लक्ष्य आगे आई टी आई की पढ़ाई करके स्वयं का इलेक्ट्रिक व्यवसाय प्रारम्भ करने का हैं| वे पूर्व में भी **कूलर की बिजली से रेफ्रिजरेटर** तथा फमिंग इलेक्ट्रिक पावर जनरेशन जैसे **प्रोजेक्ट तैयार कर** जिले स्तर पर उन्हें प्रस्तुत कर चुके हैं| विजय का लक्ष्य इलेक्ट्रिकल में कुछ नया और इनोवेटिव करने का है।

विजय के घर की आर्थिक स्थिति ठीक नही है |वे आई टी आई की पढ़ाई के साथ ही पढ़ाई के अलावा बाकी के समय मे इलेक्ट्रिक कार्य करते रहेंगे ताकि उनकी स्वयं की पढ़ाई का खर्च वे वहन कर सके|आई टी आई कम्पलीट करके वे व्यवसाय की शुरुआत करेंगे।

Ramadhin Chouksey VT Govt. HSS Excellence GHANSORE, Seoni highlights Ashish Sen's accomplishments

JaiKumar Sahu VT Govt. HSS Excellence Pandhurna, Chhindwara shares Vijay Ghormade's achievements .

सफलता एक यात्रा हैं कोई आख़िरी मंजिल नही....

कहते हैं हमारा हुनर ही हमारी पहचान होती हैं ,मेहनत और सच्ची लगन ही आपके भविष्य का निर्धारण करती है| ऐसी ही लगन और रुचि का जस्बा हमारे मध्यप्रदेश के **शासकीय उत्कृष्ट विद्यायल घंसौर ,विकाशखण्ड घंसौर** जिला सिवनी में पढ़ने वाले व्यावसायिक छात्र **आशीष सेन** पिता - श्री रमेश सेन (जिला) सिवनी के एक छोटे गाँव डोला के रहने वाले विद्यार्थी हैं|कक्षा नवमी में छात्र ने इलेक्ट्रिकल की पढाई शुरू की और अब छात्र **घरेलु उपकरण , बाइंडिंग एवं मोटर बाइंडिंग का कार्य सीखा है|** जिसकी वजा से श्रीराम इलेक्ट्रिकल रिपेयरिंग शॉपमें उसे फैन बाइंडिंग का कार्य मिला जिससे उसने **8000 रुपये कमाए|**

आशीष हुनर के जरिये खुद का इलेक्ट्रिक शॉप खोलना चाहता हैं, इन दिनों आशीष घर पर इलेक्ट्रिक बोर्ड बनाकर बेचता हैं जिससे वह स्वयं की पढ़ाई का खर्च उठा सके| उसके यह हुनर को बढ़ावा देने के लिए शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय घंसौर के वरिष्ठ शिक्षक श्री **नरेन्द्र सोनी जी ने इलेक्ट्रिक बोर्ड बनवाया|** आशीष छुट्टियों में वाइंडिंग वर्कशॉप में जाकर काम करना पुनः प्रारंभ करेंगे ताकि गर्मी की छुट्टियों में वे पैसे इक्कट्ठा कर सकें,और आगे पढ़ाई कर सकें|आशीष के शिक्षक श्री रामाधीन चौकसे बताते हैं कि वे उन्हें इलेक्ट्रिक से जुड़ी हर वो छोटी और बड़ी खूबी बताते हैं जिससे वे एक कुशल तकनीशियन बन सकें| आशीष आगे इलेक्ट्रिकल लेकर पढ़ाई करना चाहते हैं,उन्हें जानकारी प्राप्त हुई है कि शासन वोकेशनल के कोर्स में ग्रेजुएशन भी करवाने वाली है,जिसमे छात्र रोजगार के साथ पढ़ाई कर सकते हैं|यह जानकर आशीष को अत्यधिक खुशी हुई| आशीष का सपना हैं कि वह और **आगे पढ़ें तथा एक बड़ा इंजीनियर बन सकें,** शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय घंसौर उनके उज्वल भविष्य की कामना करता हैं|

हुनर है तो रोजगार है

LAQSH
Bridging The Talent Gap For A Decade

LAQSH Job Skills Academy—Madhya Pradesh January 2020

मैं **अजय सिलावट** आत्मज श्री गणेश प्रसाद सिलावट **शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय गोटेगांव जिला नरसिंहपुर म.प्र.** में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत कक्षा 12वीं में इलेक्ट्रिकल ट्रेड का छात्र हूँ।मैं अपने आपको भाग्यशाली मानता हूं कि जैसे ही मैंने कक्षा 9वीं में प्रवेश लिया, उसी वर्ष 2016-17 से विद्यालय में एक नए पाठ्यक्रम के अन्तर्गत इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी शिक्षा प्रारम्भ हुई।मैंने इसमें प्रवेश के लिए विषय शिक्षक श्री **शैलेन्द्र प्रजापति** से निवेदन किया और उन्होंने मेरी रुचि को ध्यान में रखते हुये टेस्ट और इंटरव्यू के माध्यम से मुझे इस विषय में प्रेवेश दिया।विगत वर्षों में मैंने इस विषय के माध्यम से इतना कुछ सीखा है कि आज **मैं दैनिक जीवन में उपयोग आने वाले घरेलू उपकरण जैसे इलेक्ट्रिक आयरन, फैन, इलेक्ट्रिक कूलर, वाटर हीटर,मिक्सर ग्राइंडर,वाटर प्यूरीफायर,इतियादी का परीक्षण कर उसे सुधारने में सक्षम हूँ।**इतना ही नहीं वर्षों की मेहनत से मेरे पिता जी ने दैनिक मजदूरी करते हुये हमारे लिए एक छोटा सा घर बनवाया| अपनी आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुये अपने इस **घर की इलेक्ट्रिक वायरिंग के लिए मैंने खुद ही इसकी जिम्मेदारी ली और पूरे घर की इलेक्ट्रिक वायरिंग एवं फिटिंग मैंने स्वयं की।** जिसे देख कर आज मेरे पिताजी मुझ पर गौरवान्वित महसूस कर रहें हैं।

मुझे आज इतना काबिल बनाने का श्रेय मैं अपने व्यावसायिक शिक्षक श्री शैलेंद्र प्रजापति सर को देना चाहता हूँ जिनके मार्गदर्शन में इतना कुछ सीख पाया कि आज के कढ़ी प्रतिस्पर्धा युग में किसी जॉब पर निर्भर नहीं हूं| मैं अपने स्कूल जीवन में ही इतना सक्षम हो गया हूं कि अपना रोजगार स्वयं जनित कर अपना जीवन यापन अच्छे से कर सकता हूँ। **यह व्यावसायिक शिक्षा मेरे जैसे अनेकानेक विद्यार्थियों के लिए एक वरदान साबित हो रही है।**

Ajay Silavat student from **Govt. HSS Excellence GOTEGAON , Narsinghpur** shares his experience. **VT– Shailendra Prajapati**

Shriram Jaiswal VT from **Govt. HSS Excellence Chichli, Narsinghpur** shares story of his student **Ram Naresh.**

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चीचली जिला नरसिंगपुर - कक्षा 12 के सभी छात्रों को प्राचार्य महोदय जी ने एक प्रोजेक्ट दिया |**जिनमे स्कूल में लगे पंखे की सर्विसिंग एवं जले हुए पंखे की वाइंडिंग करने को कहा। छात्रों ने इस प्रोजेक्ट को ले कर यह काम कर दिखाया।**
इसी प्रकार स्टाफ की **मैडम श्रीमती उषा कुरचानिया** जी ने कक्षा 12 के छात्र **रामनरेश** से कहा कि घर का पंखा खराब हो गया है क्या तुम इसको ठीक कर सकते हो? छात्र ने तुरंत जबाब दिया -जी मैडम |और छात्रों ने पंखा को चेक किया और तुरंत बता दिया पंखा की वाइंडिंग जल गई है| छात्र ने उसे वाइंडिंग कर पंखा चालू कर उसका बिल मैडम को दे दिया| मार्केट रेट से बिल काफी कम था, इससे मैडम बहुत खुश हुई। **प्राचार्य महोदय जी** द्वारा प्रार्थना के दौरान **छात्र का सम्मान किया** और छात्र ने सभी के सामने मैडम को पंखा दिया।**एक पहल हो चुकी है रोजगार की ओर चल पड़ने की। रामनरेश** कहता है की कक्षा 12 वी में आने के बाद मुझे ऐसा लगने लगा कि नोकरी मिले न मिले में रोजगार प्राप्त कर सकता हूं। इसी प्रकार जब छात्र से पूछा गया कि क्या आप पहले से ही कुछ पैसे कमा रहे हैं? तो छात्र का जवाब था "नही -परन्तु कक्षा 12 वीं में आने के बाद मार्केट से पंखा को घर ला कर वाइंडिंग कर देने से पैसे मिलने लगे जिससे मेरी इनकम आना शुरू हुई। जब मेरे से इलेक्ट्रिकल का और अच्छी तरह काम बनेगा तो नौकरी जरूर मिलेगी। मेरे माँ पिता बेहद खुश हैं कि मै इलेक्ट्रिकल के कार्यों को कर पा रहा हूँ।

हुनर है तो रोजगार है

LAQSH
Bridging The Talent Gap For A Decade

LAQSH Job Skills Academy—Madhya Pradesh January 2020

कला उस तलवार की तरह होती है जिसे जितना घिसा जाए उतना ही उसकी धार और चमक बढ़ती है| ऐसी ही एक कहानी **शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बिछुआ विकासखंड बिछुआ जिला छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश** में पढ़ने वाले छात्र **चंद्रकुमार मस्तकार** की है | चंद्रकुमार को पढ़ाई में रुचि तो बहुत है परंतु उसके परिवार की स्थिति ऐसी नहीं है कि वह बहुत उच्च स्तर पर अपना अध्ययन पूरा कर सकें| साल 2016 में जब उसे अपने ब्लॉक स्तर के विद्यालय बिछुआ में प्रवेश का मौका मिला तो वह खुशी से झूम उठा | उसे यह जानकारी मिली की इसी साल से उत्कृष्ट विद्यालय में व्यावसायिक शिक्षा के दो विषय इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी एवं हेल्थ केयर में बिना किसी अन्य शुल्क के पढ़ने को मिलेगा |चंद्र कुमार स्तर 1 से ही अपना अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे और स्तर 4 तक आते-आते उन्होंने बहुत कुछ सीख लिया |जब गर्मी में ओजेटी हुई तब भी वह सबसे ज्यादा समय ओजीटी में उपस्थित रहते थे और खाली समय में अपने प्रशिक्षक और ट्रेनिंग संस्था के ट्रेनर से विद्युत के उपकरणों और अन्य कार्यों की जानकारी पूछा करते थे | जब ट्रेनिंग पूरी हुई तो चंद्र कुमार ने अपने घर व गांव के लोगों के **घरेलू उपकरणों जैसे ट्यूबलाइट ,प्रेस ,बिजली के बोर्ड आदि को फ्री में सुधारना चालू किया** |पहले तो लोग उससे अपने काम बिना पैसों के ही करा लिया करते थे, लेकिन कुछ ही दिनों में उसे लोगों ने उसकी मेहनत के लिए पैसे देना भी चालू कर दिए | आज चंद्रकुमार अपने स्तर पर लगभग 500 - 1000 रुपये कमा लेते हैं | प्रशिक्षक सर के पूछने पर चंद्रकार के पिता श्री फागुलाल मस्तकार ने बताया कि जब कभी चंद्रकुमार उनसे यह बताता है की आज मैंने प्रेस सुधारा, आज मैंने पंखा सुधारा ,तो हमें बड़ी खुशी होती है पर यदि उसे कोई नौकरी मिल जाए तो ज्यादा बेहतर होगा। फागुलाल जी ने यह भी कहा कि वह अपने बेटे की इस पढ़ाई से खुश है |तब **श्री सावनेरे** ने उन्हें यह भरोसा दिलाया कि उनका बेटा बहुत बढ़िया पढ़ रहा है और एक दिन बहुत ही अच्छा मुकाम हासिल करेगा और अपने **परिवार का, विद्यालय का और गांव का नाम भी ऊंचा करेगा**।

Durgesh Savnere VT from **Govt. HSS Excellence Bichhua, Chhindwara** shares story of his hardworking Student **Chandra Kumar**

Sugandh Mishra VT from **Govt. HSS Excellence Hatta, Damoh** shares story of **Shiv Kumar Mishra .**

यह सफलता की कहानी **शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हट्टा दमोह** में क्लास 10 में पढ़ने वाले **शिव कुमार मिश्रा** की है, जिन्होंने अपनी क्लास 8 तक के पढ़ाई सरस्वती शिशु मंदिर मे की |लेकिन जैसे ही शिव कुमार मिश्रा को मालूम हुआ कि क्लास 9 से विद्यालय में विषय इलेक्ट्रिकल भी है उसने तुरंत दाखिला लेकर अपना नाम दर्ज करवा लिया| शिव कुमार मिश्रा **घर के एवं स्कूल के भी छोटे-छोटे उपकरणों को ठीक करने का काम करने लगे** एवं अपने **इलेक्ट्रिकल लैब के लिए भी कई मॉडल्स बनाकर भेंट किए|** फिर एक दिन शिवकुमार ने अपने मोहल्ले में इलेक्ट्रिक आयरन को बखूबी परीक्षण करके ठीक कर लिया जिससे उसे कुछ पारिश्रमिक भी मिला | बस फिर शिवकुमार अपने आसपास दोस्तों के एवं अपने मोहल्ले के जान पहचान वाले के घरेलू छोटे छोटे उपकरणों को ठीक करने लगे | शिवकुमार के पिता **श्री रामकुमार मिश्रा** जी का कहना है की "स्कूलों में इस तरह के कोर्स आने से बच्चों को बहुत कुछ सीखने का मौका मिल रहा है | मेरा बच्चा घर के इलेक्ट्रिकल के खराब हुए उपकरणों को खुद ही बड़ी आसानी से ठीक कर लेता है एवं आस-पड़ोस के लोग भी उसे उपकरणों को ठीक करने के लिए बुलाने लगे हैं| अब लगता है कि इस शिक्षा से बच्चे हुनर सीख कर अपना कैरियर खुद बना सकते हैं" |**प्राचार्य श्री पाठक जी** का कहना है कि "इस कोर्स के माध्यम से बच्चे आत्मनिर्भर बनेंगे |